

पत्रांक:- 14/सी 12- 15/15 - 559

शिक्षा विभाग,
बिहार, पटना।

निबंधित / फैंक्स / ई-मेल
~~ई-मेल~~

प्रेषक,

शिवेश रंजन,
विशेष कार्य पदाधिकारी, उच्च शिक्षा।

सेवा में,

कुलसचिव,
पटना विश्वविद्यालय, पटना।

पटना, दिनांक. 09/04/2015

विषय:- बिहार विधान परिषद् के 179वें सत्र में श्री कृष्ण कुमार सिंह-02, स०वि०प० द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या-ई-121 की कड़िकावार उत्तर सामग्री/प्रतिवेदन पूरक सामग्री सहित उपलब्ध कराने के संबंध में।

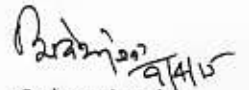
महाशय,

उपर्युक्त विषयक बिहार विधान परिषद् के 179वें सत्र में श्री कृष्ण कुमार सिंह-02, स०वि०प० द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या-ई-121 की छायाप्रति संलग्न करते हुए कहना है कि अनुलग्नक में अंकित तथ्यों पर सरकार की ओर से कड़िकावार उत्तर सामग्री/प्रतिवेदन पूरक सामग्री सहित विभाग को अविलम्ब विशेष दूत/फैंक्स के माध्यम से उपलब्ध कराया जाय।

इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाय।

अनुलग्नक:- यथोक्त।

विश्वासभाजन



(शिवेश रंजन)

विशेष कार्य पदाधिकारी,
उच्च शिक्षा

5/11/15

1993(5)
जापांक.....(प्र०)-वि०प०

बिहार विधान परिषद् सचिवालय

सेवा में

शिक्षा विभाग

पटना, दिनांक 6/4/15 201

8.0.14
8/4/15

श्री कृष्णा कुमार सिंह-2 स०वि० प० द्वारा बिहार विधान परिषद् के 179 वें सत्र में पूछा जानेवाला तारांकित प्रश्न संख्या 1330-15 बिल रूप में सभापति द्वारा स्वीकृत किया गया है संवेष्टित है।

इन तारांकित प्रश्नों को सदन के कार्यक्रम पर लाये जाने की तिथि शीघ्र ही सूचित की जायेगी।

विशेष कार्य पदाधिकारी प्रकाश उच्च शिक्षा क्रम संख्या 98 दिनांक 08/04/15

1330
8.4.15

अवर-सचिव,
बिहार विधान परिषद्।

बिहार विधान परिषद् के 179 वें सत्र के लिए श्री कृष्णा कुमार सिंह-11, स० वि०प० से तारांकित प्रश्न प्राप्त।

- ई०-121 क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-
- क० क्या यह सही है कि पटना विश्वविद्यालय सूबे का सबसे पुराना एवं देश का सबसे सातवां सबसे पुराना विश्वविद्यालय है ;
- ख० क्या यह सही है कि लंबे समय से विश्वविद्यालयों में प्राध्यापकों की नियुक्ति न होने के कारण प्राध्यापकों की घोर कमी से उच्च शिक्षा की स्थिति दयनीय हो गयी है ;
- ग० क्या यह सही है कि बीएन कॉलेज, पटना छा के छा: विभाग मात्र एक एक स्था प्राध्यापक के भरौसे चल रहे है ;
- घ० क्या यह सही है कि इस कॉलेज में करीब पांच हजार छात्र है, लेकिन उन्हें पढ़ा के लिए मात्र 52 स्थायी प्राध्यापक है जबकि प्राध्यापकों के 79 पद खाली है
- ङ० यदि उपरोक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उच्च शिक्षा की स्थिति सुधारने हेतु विश्वविद्यालयों में प्राध्यापकों की नियुक्ति करना चाहती है यदि हां तो कब तक ?